



Gas flow reduced at ONGC blowout well in Assam

The flow rate of gas at an affected rig in eastern Assam's Sivasagar district has reduced substantially, the Oil and Natural Gas Corporation Limited (ONGC) said on Saturday. Officials of the corporation stated that an international expert team from the U.S.- based CUDD Pressure Control affirmed the effectiveness of the ONGC's approach in controlling the gas leak at well RDS-147A. The blowout at this rig happened on June 12. The Maharatna exploration company also said medical assistance was being provided at a relief camp for the people evacuated from nearby villages soon after the blowout. Around 1,500 people were evacuated.



CRUDE WATCH

OIL PRICES DECLINE ON WEEKLY BASIS

Houston: Oil prices were down on Friday. Brent crude futures were down \$1.84, or 2.33%, to \$77.01 a barrel. US WTI crude for July was down 21 cents, or 0.28%, at \$74.93. Brent rose 3.6% on the week.

Front-month US crude futures rose 2.7%.

REUTERS

Significant progress made in controlling gas blowout at Assam well, says ONGC

NEW DELHI: State-owned Oil and Natural Gas Corporation (ONGC) on Saturday said it has made "significant" headway in controlling the gas blowout at the Assam well, with flow rates reducing substantially.

The blowout -- or uncontrolled flow of natural gas -- took place on June 12 at a well of the Rudrasagar oil field of ONGC at Barichuk. A private firm, S K Petro Services, was operating the well on behalf of the company.

In a statement, ONGC said it "has made significant headway in its well control operations at RDS#147A, with the flow rate of gas having reduced substantially, marking a critical step forward in containment efforts."

The international expert team from CUDD Pressure Control, USA, who arrived on



site on Friday, has conducted a preliminary assessment of the situation and reviewed all actions undertaken by ONGC teams so far.

"The experts have expressed their agreement with the strategy and execution carried out to date, reaffirming the effectiveness of ONGC's approach to safely managing the well," the statement said without giving a timeframe by when the blowout will be fully controlled.

ONGC said based on the forward plan jointly developed,

extensive site preparations are underway to facilitate the next phase of action.

The process of removing tubulars from the well has commenced, and mobilisation of cranes for the removal of tubing from the rig floor is in progress.

"Water blanketing continues around the clock as a key safety measure. Additionally, flood-level monitoring of the nearby Dikhow River remains ongoing, ensuring all operations are aligned with environmental and safety protocols," the statement said.

"ONGC is continuously monitoring the low explosive limit (LEL) levels of air around the well site through real-time gas detectors to ensure safety. Medical assistance is being provided at the relief camp to support all those in need." PTI

US experts join ONGC to tackle Assam blowout

Dibrugarh: Three veteran well control specialists from Cudd Well Control, US, began intensive site preparations on Saturday to bring under control a massive gas blowout of ONGC's Rudrasagar (RDS147A) rig in Assam's Sivasagar district, reports **Rajib Dutta**.

The experts, who flew in from Houston, arrived in Sivasagar on Friday after multiple attempts by ONGC's crisis management team failed to stop the leakage, which happened on June 12.

The deployment of US team — experts in blowout control since 1977 — signals a critical escalation in efforts to contain the situation, which has already seen evacuation of 350 families from affected area, currently housed in relief camps.

While ONGC has not yet officially confirmed whether the well will be permanently sealed, Assam CM, Himanta Biswa Sarma, on Friday said the corporation will “permanently cap” the well. ONGC's latest press release on Saturday, though, talked only about “containment efforts”.

“The experts have expressed their agreement with the strategy and execution carried out to date, reaffirming the effectiveness of ONGC's approach to safely managing the well,” ONGC said in the statement.

Based on a forward plan, jointly developed by US specialists and ONGC teams, extensive site preparations are underway to facilitate the next critical phase of containment operations.

असम में गैस रिसाव को नियंत्रित करने में महत्वपूर्ण प्रगति हुई: ओएनजीसी

एजेंसी ■ नई दिल्ली

सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी तेल और प्राकृतिक गैस निगम (ओएनजीसी) ने शनिवार को कहा कि उसने असम के कुएं में गैस रिसाव को नियंत्रित करने में महत्वपूर्ण प्रगति की है। यह रिसाव या प्राकृतिक गैस का अनियंत्रित प्रवाह - 12 जून को ओएनजीसी के रुद्रसागर तेल क्षेत्र के बारीचुक में एक कुएं में हुआ था। एक निजी फर्म एसके पेट्रो सर्विसेज ओएनजीसी की ओर से कुएं का संचालन कर रही थी। ओएनजीसी ने एक बयान में कहा कि उसने आरडीएस 147ए में अपने कुआं नियंत्रण कार्यों में महत्वपूर्ण प्रगति की है, जिससे गैस का प्रवाह दर काफी



कम हो गई है। अमेरिका की सीयूडीडी प्रेशर कंट्रोल का अंतराष्ट्रीय विशेषज्ञ दल शुक्रवार को मौके पर पहुंचा और हालात का प्रारंभिक आकलन किया है। दल ने ओएनजीसी द्वारा अब तक की गई सभी कार्रवाइयों की समीक्षा की है। बयान में कहा गया, विशेषज्ञों ने अभी तक की रणनीति और क्रियान्वयन पर अपनी सहमति जताई, जो कुएं के सुरक्षित प्रबंधन के लिए ओएनजीसी के नजरिए की पुष्टि करता है।

ओएनजीसी ने वर्ष 2024-25 में 578 कुएं खोदे : पुरी

नई दिल्ली। भारत में तेल एवं प्राकृतिक गैस की खोज को नई शक्ति और दिशा देते हुए तेल एवं प्राकृतिक गैस निगम (ओएनजीसी) ने वर्ष 2024-25 में 578 कुएं खोदे हैं, जो 35 वर्षों में सबसे अधिक है। पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में तेल तथा गैस की खोज के लिए वर्ष 2024-25 बेहतर रहा है। इस दौरान ओएनजीसी ने 578 कुएं खोदे हैं। प्रधानमंत्री द्वारा 'नो गो' एरिया पर लिया गया साहसी निर्णय भारत की ऊर्जा आत्मनिर्भरता की यात्रा को नई गति दे रहा है। उन्होंने कहा कि जैसे किसी इमारत को खड़ा करने के लिए मजबूत नींव की आवश्यकता होती है, ठीक वैसे ही ऊर्जा के क्षेत्र में भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए उत्खनन एवं उत्पादन क्षेत्र को मजबूती प्रदान करना आवश्यक है।





पेट्रोल और
डीजल की
कीमतें
अपरिवर्तित

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी जारी रहने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम अपरिवर्तित रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा।



वर्ष 2026 तक 9 इथेनॉल फैक्ट्रियां खुलेंगी : कृष्णनंदन

नई दिल्ली। बिहार का गन्ना उद्योग आज नए युग में प्रवेश कर चुका है। परंपरा और नवाचार के संगम से यह क्षेत्र न केवल किसानों की आय बढ़ा रहा है, बल्कि इथेनॉल, गुड़ और आधुनिक प्रसंस्करण के जरिए ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई दिशा दे रहा है। बिहार का गन्ना उद्योग पारंपरिक खेती से आगे बढ़कर हरित ऊर्जा की राह पर है। किसानों को समय पर भुगतान, उन्नत बीज, इथेनॉल व गुड़ इकाइयों का विस्तार, यह सब मिलकर बिहार को 'गन्ने से समृद्धि' की राह पर आगे बढ़ा रहे हैं। हाल में विकास भवन में हुई उच्चस्तरीय बैठक में गन्ना उद्योग मंत्री कृष्णनंदन पासवान ने सभी चीनी मिलों को चेतावनी दी कि किसान भुगतान में किसी तरह की देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अब तक 99.8 प्रतिशत गन्ना भुगतान किया जा चुका है। मंत्री ने मुख्यमंत्री गन्ना विकास योजना, यंत्रीकरण योजना और बिहार गुड़ प्रोत्साहन योजना को तेजी से लागू करने का निर्देश दिया। राज्य में ऊंची उत्पादकता वाले बीज तैयार किए जा रहे हैं, जिससे गन्ना उत्पादन में तेजी आएगी और किसानों को लाभ मिलेगा। टिशू कल्चर से गन्ने के उन्नत बीज उत्पादित किए जाएंगे। बिहार अब इथेनॉल उत्पादन में भी अब्बल साबित हो रहा है। बिहार में वर्ष 2026 तक 9 इथेनॉल फैक्ट्रियां खुलने जा रही हैं।